



SHRI KAKCHINGTABAM SHANATHOIBA SHARMA

Shri Kakchingtabam Shanathoiba Sharma is a distinguished Guru of the traditional indigenous martial art form of Manipur known as "Thang- Ta" which is an art of warfare, a way of life with a vast scope involving physical and mental aspects based on traditions, culture, and spirituality which was learned by the entire Manipuri society during the old days to protect their homeland from external aggressors. He is widely recognized for his outstanding contribution in the field of Thang-Ta.

2. Born on 1st April, 1955 in a renowned family practicing Mukna Kangjei - a traditional hockey cum wrestling, and the art of Thang-Ta, Shri Shanathoiba learnt different principles and techniques of Thang-Ta both physically and philosophically under various renowned Gurus such as Padma Shri awardee Gurumayum Gourakishor Sharma, Gurumayum Sana Sharma, Moirangthem Ibetombi Singh, S. Devabrata Singh, Haobam Ibotombi Singh (Bormantri), P. Manichand Singh, K. Biren Singh and others.

3. Over the last four decades, Shri Shanathoiba has dedicated himself entirely for popularizing the art of Thang-Ta. He established the Association for Paona Memorial Arts and Rural Development Services (APMARDS), Thoubal Wangkhem in 1981 which is one of the leading centers of Manipuri art & culture. He has travelled throughout India and to a number of countries to promote the art form. He has organized numerous workshops and festivals on Thang-Ta in association with various Government Departments, delivered lectures and demonstrations at many national and international events. He has written numerous articles and made many publications on Thang-Ta.

4. Shri Shanathoiba is the Principal cum Director of the Huyen Lallong Manipur Thang-Ta Cultural Association, Irilbung, Manipur. He has served as an Expert Committee Members of Ministry of Culture, Government of India and Centre for Cultural Resources and Training, New Delhi, (2008-2020), a member of the First and Second Academic Council of the Manipur University of Culture for two terms (2016-2022). He has served as the General Council Member of Manipur State Kala Akademi for two consecutive terms (2012-2018) and he is also presently serving as the General Council Member for the third term (2022-2025). He has also been associated with Jawaharlal Nehru Manipur Dance Academy, Imphal in the formation of Committee on Thang Ta, associated with Directorate of Arts and Culture, Manipur (since 2011), and has also served as Thang-Ta Guru of Shri Shri Govindaji Temple Board, Manipur.

5. Shri Shanathoiba is a recipient of Sangeet Natak Akademi Award in 2014, Manipur State Kala Akademi Award in 1993-94, Kala Bhusan (Thang-Ta) from Manipur Sahitya Parishad in 2010, Fellowship from Manipur State Kala Akademi in 1987-88, title "Safa Lanfaba"(Brave Warrior) in 1997 and "Joypatra Award" in 2022 from Shri Shri Govindaji Temple Board, Manipur, Young Scholarship (1981-82) and Junior Fellowship (1992-93) from Ministry of Human Resource Development, Government of India etc.



श्री ककचिताबम शानाथोइबा शर्मा

श्री ककचिताबम शानाथोइबा शर्मा मणिपुर के परंपरागत देशी मार्शल आर्ट रूप "थांग—ता" के एक प्रसिद्ध गुरु हैं। "थांग—ता" एक युद्ध कला है, परंपराओं, संस्कृति और आध्यात्मिकता पर आधारित शारीरिक और मानसिक पहलुओं के साथ एक व्यापक जीवन शैली है, जिसे पूरे मणिपुरी समाज ने पुराने दिनों में विदेशी आक्रामकों से अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए सीखा था। वह थांग—ता के क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट योगदान के लिए जाने जाते हैं।

2. 1 अप्रैल 1955 को मुकना कांगजेई नामक एक पारंपरिक हॉकी एवं कुश्ती, और थांग—ता कला का अभ्यास करने वाले एक प्रसिद्ध परिवार में जन्मे, श्री शानाथोइबा ने कई विख्यात गुरुओं जैसे पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित गुरु मायूम गौरकिशोर शर्मा, गुरु मायूम सना शर्मा, मोइरांगथेम इबोटोम्बी सिंह, एस. देवव्रत सिंह, हाओबाम इबोटोम्बी सिंह (बोरमंत्री), पी. मणिचंद सिंह, के. बीरेन सिंह और अन्य से शारीरिक और दार्शनिक दोनों रूपों में थांग—ता के सिद्धांत और तकनीक सीखी।

3. पिछले चार दशक में, श्री शानाथोइबा ने थांग—ता कला को लोकप्रिय बनाने में खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया है। उन्होंने 1981 में एसोसिएशन फॉर पाओना मेमोरियल आर्ट्स एंड रूरल डेवलपमेंट सर्विसेज, थौबल वांगखेम की स्थापना की जो मणिपुरी कला और संस्कृति के प्रमुख केंद्रों में से एक है। उन्होंने इस कला को बढ़ावा देने के लिए पूरे भारत और कई देशों की यात्राएं की हैं। उन्होंने विभिन्न सरकारी विभागों के सहयोग से थांग—ता पर कई कार्यशालाओं और उत्सवों का आयोजन किया, कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में व्याख्यान और प्रस्तुतियां दीं। उन्होंने थांग—ता पर कई लेख लिखे और कई प्रकाशन किए।

4. श्री शानाथोइबा हुयेन लालोंग मणिपुर थांग—ता कल्चरल एसोसिएशन, इरिलबंग, मणिपुर के प्रिंसिपल व निदेशक हैं। उन्होंने संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और सांस्कृतिक संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली, (2008—2020) के विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं, वह दो कार्यकाल (2016—2022) तक मणिपुर संस्कृति विश्वविद्यालय की पहली और दूसरी अकादमिक परिषद के सदस्य रहे हैं। उन्होंने लगातार दो कार्यकाल (2012—2018) के लिए मणिपुर राज्य कला अकादमी के जनरल काउंसिल मेंबर के रूप में कार्य किया है और वर्तमान में तीसरे कार्यकाल (2022—2025) के लिए जनरल काउंसिल मेंबर के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। वह थांग—ता पर समिति के गठन में जवाहरलाल नेहरू मणिपुर डांस एकेडमी, इम्फाल, कला और संस्कृति निदेशालय, मणिपुर (2011 से) से जुड़े हुए हैं, और श्री श्री गोविंदजी मंदिर बोर्ड, मणिपुर के थांग—ता गुरु के रूप में भी काम कर चुके हैं।

5. श्री शानाथोइबा को 2014 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, 1993—94 में मणिपुर राज्य कला अकादमी पुरस्कार, 2010 में मणिपुर साहित्य परिषद से कला भूषण (थांग—ता), 1987—88 में मणिपुर राज्य कला अकादमी से फेलोशिप, 1997 में "सफालैनफाबा" (वीर योद्धा) की उपाधि और श्री श्री गोविंदजी मंदिर बोर्ड, मणिपुर से 2022 में "जॉयपात्रा पुरस्कार", मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से यंग स्कॉलरशिप (1981—82) और जूनियर फेलोशिप (1992—93), आदि मिल चुके हैं।